माता पार्वती जी की आरती

जय पार्वती माता, जय पार्वती माता ।

ब्रह्म सनातन देवी, शुभ फल की दाता ॥

अरिकुल पद्म बिनासनी, निज सेवक त्राता ।

जग जीवन जगदम्बा माँ हरिहर गुण गाता ॥

सिंह को वाहन साजे, कुण्डल है साथा ।

देववधू जहँ गावत, नृत्य करत ता था ।।

सतयुग रूपशील अति सुन्दर, नाम सती कहलाता ।

हेमांचल घर जन्मी, सखियन संगराता ।।

शुम्भ निशुम्भ बिदारे, हेमांचल स्थाता ।

सहस्त्र भुजा तनु धरि के, चक्र लियो हाथा ॥

सृष्टि रूप तू ही है जननी, शिव संग रंगराता ।

नन्दी भृङ्गी बीन बजाये, वही पर्यो मदमाता ॥

देवी अरज करत हम, चित्त में मन लाता ।

गावत दै दै ताली, मन में रँग राता ।।

श्री प्रताप आरती मैया की, जो कोई मन से गाता ।

सदा सुखी नित रहता, सुख सम्पति पाता ।।

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड

atozpe.in